प्रारम्भिक संबोधन

स्वागत है आप सब लोगों का।

माननीय सदस्यगण,

चौदहवीं बिहार विधान-सभा के एकादश सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

यह सदन राज्य की समस्त जनता की सर्वांगीण शक्ति के प्रतिबिम्ब का दर्पण है। जनता का विश्वास आपके सबल व्यक्तित्व में समाहित है,जिसके निष्ठापूर्वक प्रयोग से ही संसदीय लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती है। आगामी लोक सभा के मतदान प्रकिया को ध्यान में रख कर तकनीकी रूप से 11वां सत्र छोटा है,लेकिन महत्वपूर्ण है। संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्य की जनता की निगाह सदन के सत्र की ओर रहती है,इसलिए प्रश्नकाल आदि का दूरदर्शन से भी प्रसारित करने का कार्यक्रम है।

आप संसदीय दायित्वों के निष्ठापूर्वक निर्वहन की जिम्मेवारी से अवगत हैं।

मुझे आशा और विश्वास है कि सभा के कार्य संचालन में आप सबों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।